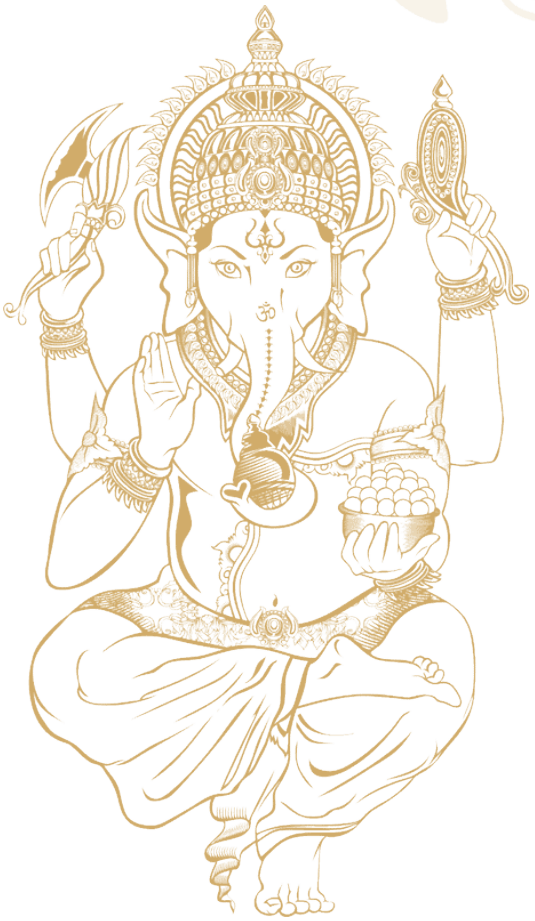

Uj jwal

13 Dec 2005

01:23 PM

Purnea

Model: web-freekundliweb

Order No: 121560202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/12/2005**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:23:00 घंटे**
इष्ट	17:42:56 घटी
स्थान	**Purnea**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:47:00 उत्तर
रेखांश	87:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:43:04 घंटे
वेलान्तर	00:05:51 घंटे
साम्पातिक काल	19:11:29 घंटे
सूर्योदय	06:17:49 घंटे
सूर्यास्त	16:50:31 घंटे
दिनमान	10:32:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	27:28:04 वृश्चिक
लग्न के अंश	00:18:52 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-अश्विनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	00:18:52	474:48:53	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	27:28:04	01:01:00	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	29:26:24	13:10:14	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल			मेष	14:21:43	00:02:29	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
बुध			वृश्चि	06:31:13	01:03:29	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु			तुला	16:04:46	00:11:19	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मक	05:12:55	00:23:54	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	16:57:53	00:02:17	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	17:14:33	00:07:48	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	17:14:33	00:07:48	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	13:13:14	00:01:23	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	21:29:54	00:01:31	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	00:15:21	00:02:15	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			धनु	22:32:18	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:21

लग्न-चलित

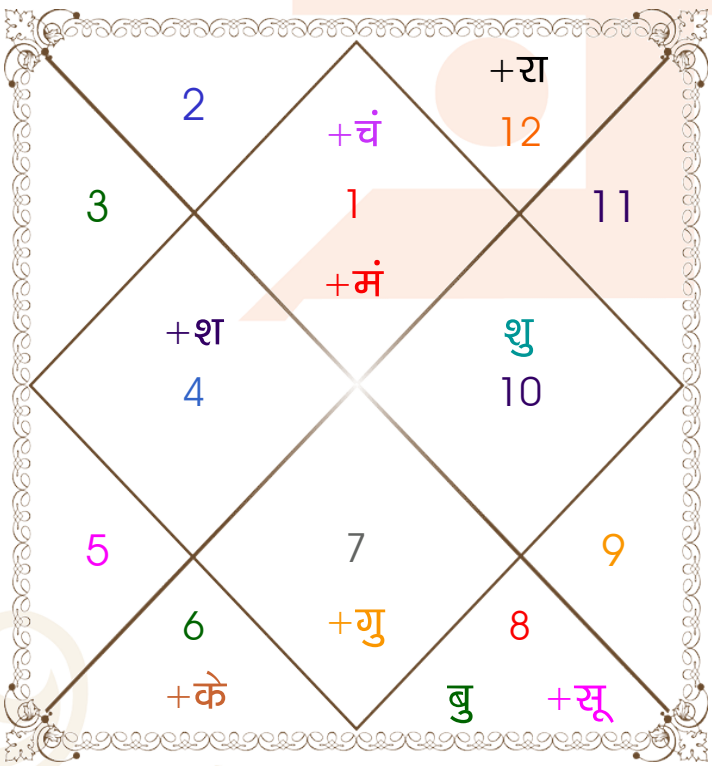

चन्द्र कुंडली

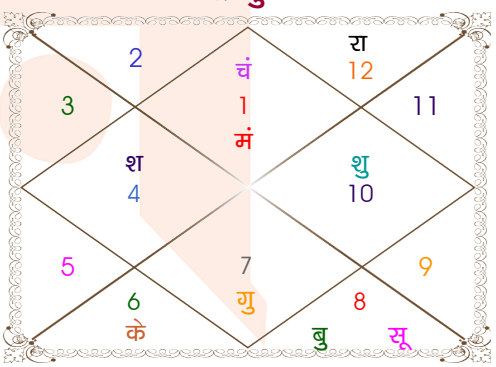

नवमांश कुंडली

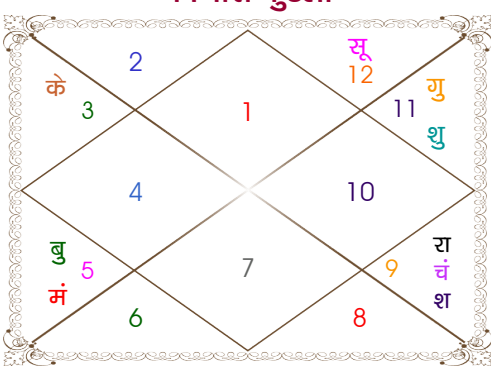

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 9 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/12/2005		14/09/2010		13/09/2020		14/09/2027		13/09/2045	
14/09/2010		13/09/2020		14/09/2027		13/09/2045		13/09/2061	
	00/00/0000	चंद्र	15/07/2011	मंगल	09/02/2021	राहु	27/05/2030	गुरु	02/11/2047
	00/00/0000	मंगल	13/02/2012	राहु	28/02/2022	गुरु	20/10/2032	शनि	15/05/2050
	13/12/2005	राहु	14/08/2013	गुरु	04/02/2023	शनि	27/08/2035	बुध	20/08/2052
राहु	02/10/2006	गुरु	14/12/2014	शनि	15/03/2024	बुध	15/03/2038	केतु	27/07/2053
गुरु	21/07/2007	शनि	14/07/2016	बुध	12/03/2025	केतु	03/04/2039	शुक्र	27/03/2056
शनि	02/07/2008	बुध	14/12/2017	केतु	08/08/2025	शुक्र	02/04/2042	सूर्य	13/01/2057
बुध	09/05/2009	केतु	15/07/2018	शुक्र	08/10/2026	सूर्य	25/02/2043	चंद्र	15/05/2058
केतु	13/09/2009	शुक्र	15/03/2020	सूर्य	13/02/2027	चंद्र	26/08/2044	मंगल	21/04/2059
शुक्र	14/09/2010	सूर्य	13/09/2020	चंद्र	14/09/2027	मंगल	13/09/2045	राहु	13/09/2061

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
13/09/2061		13/09/2080		13/09/2097		14/09/2104		14/09/2124	
13/09/2080		13/09/2097		14/09/2104		14/09/2124		00/00/0000	
शनि	16/09/2064	बुध	10/02/2083	केतु	10/02/2098	शुक्र	15/01/2108	सूर्य	02/01/2125
बुध	27/05/2067	केतु	07/02/2084	शुक्र	12/04/2099	सूर्य	14/01/2109	चंद्र	03/07/2125
केतु	05/07/2068	शुक्र	08/12/2086	सूर्य	18/08/2099	चंद्र	15/09/2110	मंगल	08/11/2125
शुक्र	05/09/2071	सूर्य	14/10/2087	चंद्र	19/03/2100	मंगल	15/11/2111	राहु	14/12/2125
सूर्य	17/08/2072	चंद्र	15/03/2089	मंगल	15/08/2100	राहु	15/11/2114		00/00/0000
चंद्र	18/03/2074	मंगल	12/03/2090	राहु	02/09/2101	गुरु	16/07/2117		00/00/0000
मंगल	27/04/2075	राहु	28/09/2092	गुरु	09/08/2102	शनि	14/09/2120		00/00/0000
राहु	03/03/2078	गुरु	04/01/2095	शनि	18/09/2103	बुध	16/07/2123		00/00/0000
गुरु	13/09/2080	शनि	13/09/2097	बुध	14/09/2104	केतु	14/09/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 9 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाले, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाले, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाले अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाले हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाले, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाले, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाले तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाले प्राणी है। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाले शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाले हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाले हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहते हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप एक सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाले व्यक्ति है। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाते हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाले हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि के प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते है। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेते हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझते हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझते हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेते हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करते हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करते हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करते हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करते हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करते तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहते हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहते हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करते हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करते हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहते। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाले कामुक प्राणी हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहते हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगे।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना के शिकार होंगे। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहें तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगे। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुके हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखते हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करते हैं।

आपके लिए विधि, कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, लौह एवं स्टील कार्य, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकते हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।